JAIN DEEMED-TO-BE UNIVERSITY
जैन (सम्भाव्य विश्वविद्यालय)

हिंदी विभाग

शोधार्थियों द्वारा आयोजित व्याख्यान-माला

जेंडर : पूर्वाग्रह, रूढ़िवादिता एवं समानता

दिनांक : १३ - १८ जुलाई २०२० समय : सायं ४ - ५ बजे

स्थान : ज़ूम Join Zoom Meeting

https://zoom.us/j/98330540822?pwd=eXlZbXB0VjlzQXo2eDE3a1BEMkhrdz09

Meeting ID: 983 3054 0822 Password: 555296

क्र.सं.	वक्ता	विषय	दिनांक	शोधार्थी
१	**डॉ. अवंतिका शुक्ल:** सहायक प्रोफ़ेसर, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा	**बीज व्याख्यान 'जेंडर : पूर्वाग्रह, रूढ़िवादिता एवं समानता'**	१३ जुलाई	रजनी शाह
२	**डॉ. सत्यम कुमार सिंह:** वरिष्ठ अध्येता, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा	**राष्ट्र, आख्यान एवं राष्ट्रवाद की परिधि में जेंडर विमर्श**	१४ जुलाई	तुलसी छेत्री
३	**डॉ. श्रीनारायण समीर:** केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, भारत सरकार	**समकालीन हिंदी स्त्रीवादी कविता के प्रमुख स्वर**	१५ जुलाई	स्वप्ना चतुर्वेदी
४	**डॉ. नितीशा खलखो**: सहायक प्रोफ़ेसर, दौलतराम महाविद्यालय, नई दिल्ली	**हिंदी साहित्य में स्त्री अस्मिता एवं अधिकार का पुनर्पाठ**	१६ जुलाई	कौशल कुमार पटेल
५	**डॉ. निरंजन सहाय:** प्रोफ़ेसर, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ	**लैंगिक समानता के प्रश्न एवं हिंदी भाषा**	१७ जुलाई	रूपा रानी
६	**अजय ब्रह्मात्मज:** वरिष्ठ फिल्म पत्रकार	**हिंदी फिल्मों के संदर्भ में थर्ड जेंडर और संवेदना**	१८ जुलाई	रंजना त्रिपाठी

पंजीकरण :

https://docs.google.com/forms/d/1IwKYBTrnP5Eobi7DEzx3U3LI7djQuM8fHLdMgnmPRpo/edit?vc=0&c=0&w=1

डॉ. अवंतिका शुक्ल: सहायक प्रोफ़ेसर, स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र। २०१५ में म.गा.अं.हिं.वि.वि. से 'पी.एच.डी.' की उपाधि प्राप्त। १० वर्षों से अध्ययन-अध्यापन में संलग्न, शोधार्थियों का मार्गदर्शन, लगातार स्त्री मुद्दों से संबंधित वैचारिक लेखन एवं स्त्री विमर्श में उभरता सशक्त स्वर।

डॉ. सत्यम कुमार सिंह: वरिष्ठ अध्येता, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा। वर्तमान समय में भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), नई दिल्ली के अन्तर्गत महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के अधीन 'राष्ट्र बनाम आतंकवाद' विषय पर पोस्ट डॉक्टरल कर रहे हैं। स्वतन्त्र रूप से अखबार और कई प्रतिष्ठित पत्र -पत्रिकाओं जैसे पूर्वग्रह, तद्भव, बनास-जन, संवेद, पल-प्रतिपल में लिखते रहे हैं।

डॉ. श्रीनारायण समीर: लेखक, शिक्षक, प्रशिक्षक, संपादक एवं अनुवाद विशेषज्ञ; २०११-२०१९ तक केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो में निदेशक। शताधिक लेख प्रकाशित, ५ प्रकाशित पुस्तकें, शब्द साहित्य सम्मान तथा भारतीय अनुवाद परिषद् द्वारा 'नतालि पुरस्कार', राजभाषा हिंदी निदेशालय द्वारा प्रशस्ति सम्मान।

डॉ. नीतिशा खलखो: सहायक प्रोफ़ेसर, दौलतराम महाविद्यालय, नई दिल्ली। इनका सरोकार आदिवासी और अन्य वंचित समुदाय के सवालों से है। इनकी कविता, कहानी और लेख, पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित | २०१९ में 'यूथ डिगनिटी अवार्ड' और 'अम्बेडकर सम्मान' से सम्मानित।

डॉ. निरंजन सहाय: प्रोफ़ेसर एवं प्रख्यात शिक्षाविद्, हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ। अनेक शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। साहित्य संसार में इनके योगदान हेतु इन्हें २०१८ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'रमन अग्रवाल साहित्य पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जा चुका है। इन्होंने अब तक १२ पुस्तकों का लेखन किया है। अटल बिहारी वाजपेयी भाषा, साहित्य एवं पत्रकारिता शोध संस्थान के निदेशक के रूप में भी सक्रिय हैं|

अजय ब्रह्मात्मज: पूर्व फ़िल्म संपादक (दैनिक जागरण, मुंबई), लेखक, फिल्म समीक्षक, विचारक, शोधकर्ता, यूट्यूबर और ब्लॉगर (www.chavannichap.blogspot.in)। हिन्दी सिनेमा विमर्श पर तीन पुस्तकें प्रकाशित। अपनी लेखनी के माध्यम से न सिर्फ फिल्म पत्रकारिता के स्वरूप को बदला, बल्कि उसे एक नया आयाम भी दिया। ब्लॉग के जरिए फिल्मों को गॉसिप से इतर बातचीत और विचार विमर्श का विषय बनाया।

फेसबुक कड़ी : https://www.facebook.com/JGIHindi यूट्यूब कड़ी : https://www.youtube.com/channel/UCPvj0jeu0X3JuvUSD_somow